5/3/25 पत्रा. पेश हुई। वकील वादी एवं वादी अनुपस्थित। वादी एवं वादी वकील को न्यायालय उपस्थित होने हेतु आवाज लगवाई गई। बाद आवाज भी न्यायालय उपस्थित नहीं हुए। अतः दावा वादी अदम हाजिरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। अतः दावा पत्रावली फैसल शुमार हो, नंबर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.07.11 17:59:26 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner